सक्षम इकाई की वार्षिक रिपोर्ट 2024–2025

Annual Report of Enabling Unit 2024–2025

शैक्षणिक सत्र 2024–2025 के दौरान, सक्षम प्रकोष्ठ ने दिव्यांग छात्रों को समावेशी रूप से शामिल करने के लिए सक्रिय रूप से विभिन्न पहलें कीं। इस अवधि के दौरान समिति के कार्यों के प्रमुख बिंदु निम्नलिखित हैं:

1. विकलांगता शिष्टाचार और समावेशी प्रथाओं पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम:

23 जुलाई 2024 को सक्षम प्रकोष्ठ ने पुस्तकालय कर्मचारियों के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका केंद्र बिंदु विकलांगता शिष्टाचार और समावेशी प्रथाएं थीं। प्रकोष्ठ के सदस्यों द्वारा समन्वित इस इंटरएक्टिव सत्र का उद्देश्य पुस्तकालय, प्रशासनिक और सफाई कर्मचारियों में संवेदनशीलता और जागरूकता विकसित करना था। इसमें सम्मानजनक भाषा, प्रभावी संचार, भौतिक पहुँच, और गोपनीयता जैसे विषय शामिल थे। कर्मचारियों को सुझाव दिया गया कि वे सुलभ अध्ययन सामग्री प्रदान करें, विकलांगता जागरूकता प्रशिक्षण लें, और सहायता प्रदान करने से पहले सहमति लेने, पूर्वाग्रह न रखने, और धैर्य व समझदारी दिखाने जैसी व्यवहारिक प्रथाएं अपनाएँ। यह पहल सभी छात्रों के लिए समान और सहायक शैक्षणिक वातावरण बनाने के लिए प्रकोष्ठ की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

2. दिव्यांग छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम:

13 नवंबर 2024 को आयोजित इस कार्यक्रम में दिव्यांग छात्रों के अधिकारों, संस्थागत सहायता प्रणालियों और उपलब्ध सुविधाओं पर प्रकाश डाला गया। छात्रों को बताया गया कि वे अपनी ज़रूरतों के लिए कैसे पैरवी कर सकते हैं, परीक्षाओं में स्क्राइब कैसे माँग सकते हैं, और अतिरिक्त समय कैसे प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में पुस्तकालय की सुलभ सुविधाओं और सहायक प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर भी चर्चा हुई। सत्र में समय प्रबंधन और बहु-विकलांगता से जुड़ी चुनौतियों पर भी बात की गई। इससे निकले सुझावों में नियमित रूप से दिव्यांगता संवेदनशीलता कार्यशालाएँ आयोजित करना, सहायक तकनीकों का समावेश, कैंपस इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार, और छात्रों की प्रगति की निगरानी के लिए प्रणाली लागू करना शामिल था।

3. मानवाधिकार शिक्षा पर विशेष फिल्म स्क्रीनिंग:

10 दिसंबर 2024 को सक्षम प्रकोष्ठ ने प्राथमिक शिक्षा विभाग के सहयोग से मानवाधिकार शिक्षा पर एक विशेष फिल्म स्क्रीनिंग का आयोजन किया। इसका उद्देश्य छात्रों को मौलिक अधिकारों, सामाजिक न्याय और व्यक्तिगत ज़िम्मेदारियों के बारे में शिक्षित करना था। विभिन्न संकायों के छात्रों ने इसमें सक्रिय भाग लिया और फिल्म की विचारोत्तेजक विषयवस्तु की सराहना की। यह स्क्रीनिंग युवाओं में उत्तरदायित्व और मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने का प्रभावी माध्यम बनी।

4. अंतर-महाविद्यालय ई-पोस्टर एवं नारा लेखन प्रतियोगिता:

16 से 22 दिसंबर 2024 तक, सक्षम प्रकोष्ठ ने अंतर-महाविद्यालय ई-पोस्टर और नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया, जो दिव्यांग व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस को समर्पित थी। "दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समावेशन और समानता को बढ़ावा देना" विषय पर आधारित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य दिव्यांग अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना और समावेशी संस्कृति को बढ़ावा देना था। दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने अपने रचनात्मक और प्रभावशाली संदेशों के माध्यम से इस विषय की गहरी समझ प्रदर्शित की। यह आयोजन सफल रहा और छात्रों को समावेशन पर सार्थक संवाद के लिए प्रेरित किया। प्रकोष्ठ सभी प्रतिभागियों के योगदान की सराहना करता है और भविष्य में ऐसे और कार्यक्रम आयोजित करने की आशा करता है।

5. आमंत्रित व्याख्यान – 'समावेशी विद्यालय संस्कृति में कक्षा शिक्षक की भूमिका':

17 जनवरी 2025 को प्राथमिक शिक्षा विभाग के सहयोग से आयोजित इस व्याख्यान में अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन के निदेशक प्रो. अंकुर मदान ने संबोधित किया। इस संवादात्मक और ज्ञानवर्धक सत्र में समावेशी शिक्षा और उसमें कक्षा शिक्षकों सहित विभिन्न भागीदारों की भूमिका पर चर्चा की गई। छात्रों और संकाय सदस्यों की भागीदारी ने इस सत्र को और अधिक मूल्यवान बना दिया।

6. विकलांगता जागरूकता पर इंटरएक्टिव कार्यशाला – 'चलो बात करें विकलांगता की':

24 फरवरी 2025 को SOPAAN द्वारा, समता अवसर प्रकोष्ठ और सक्षम प्रकोष्ठ के अंतर्गत, दिल्ली विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान संस्थान में "चलो बात करें विकलांगता की" कार्यशाला आयोजित की गई। फ़ैसल अशरफ़ नोमानी द्वारा संचालित इस कार्यशाला में विकलांगता समावेशन और सहायक तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया।पैरालंपिक्स जैसे प्रतीकों वाले प्लेकार्ड्स के माध्यम से गतिविधियाँ करवाई गईं और सोडा बेवरेज स्टॉल के ज़रिए छात्रों को शामिल करते हुए, इस सत्र ने सम्मानजनक संवाद, नेत्र संपर्क के महत्व, और पूर्वधारणाओं व रूढ़ियों से बचने की आवश्यकता को सिखाया। प्रतिभागियों ने सीखा कि वास्तविक समावेशन केवल भौतिक पहुँच तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें गरिमा, समानता और आत्मनिर्भरता के साथ व्यवहार करना शामिल है। इस सत्र ने सहानुभूति, जागरूकता और ज़िम्मेदार व्यवहार को प्रोत्साहित किया, जिससे यह अनुभव सार्थक और प्रभावशाली बना।

Enabling Unit Report

(July 2024 – June 2025)

During the academic session 2024–2025, the Enabling Unit actively undertook various initiatives to ensure the meaningful inclusion of students with disabilities. The following are the key highlights of the committee's work for this period:

1. Orientation Programme on Disability Etiquettes and Inclusive Practices:

On 23 rd July 2024, the Enabling Unit conducted an orientation programme for library staff focusing on disability etiquette and inclusive practices. Coordinated by the unit's members, this interactive session aimed to build awareness and sensitivity among library, administrative, and sanitation staff regarding respectful language, effective communication, physical accessibility, and confidentiality. Staff were encouraged to provide accessible learning resources, undergo disability awareness training, and adopt practices such as seeking consent before offering assistance, avoiding assumptions, and demonstrating patience and understanding. This initiative reinforced the Unit's commitment to fostering an equitable and supportive academic environment for all students.

2. Orientation Programme for Students with Disabilities:

Held on 13 th November 2024, this orientation programme addressed the rights, institutional support systems, and accommodations available to students with disabilities. Participants were informed about how to advocate for their needs, request scribes for examinations, and access extra time during assessments. The session also highlighted the library's accessible facilities and the use of assistive technologies. Discussions covered challenges faced by students, including time management for those with specific learning disabilities and

performance issues for students with multiple disabilities. Recommendations emerging from this session included conducting regular disability sensitization workshops, integrating assistive technologies, improving campus infrastructure, and implementing systems to monitor and support students' progress.

3. Special Screening on Human Rights Education:

To raise awareness about human rights among college students, the Enabling Unit, in collaboration with the Department of Elementary Education, organized a special screening of a film on Human Rights Education on 10 th December 2024. The screening aimed to educate students about fundamental rights, social justice, and the individual's role in upholding these values. Students from various disciplines actively participated and appreciated the film's thought-provoking content, which served as an effective tool to instill a sense of responsibility and advocacy among the youth.

4. Inter-College E-Poster and Slogan Writing Competition:

From 16 th to 22 nd December 2024, the Enabling Unit hosted an Inter-College E- Poster and Slogan Writing Competition to mark the International Day of Persons with Disabilities. Centered around the theme "Promoting Inclusion and Equality for Persons with Disabilities," the competition aimed to raise awareness of disability rights and foster a culture of inclusivity. Students from various University of Delhi colleges showcased impressive creativity and powerful messages through their submissions, demonstrating a deep understanding of the theme and highlighting the importance of equality and empowerment. The event was a resounding success, inspiring students to engage in meaningful conversations about promoting inclusion.

5. Invited Talk on 'Inclusive School Cultures: Role of Classroom Teacher':

In collaboration with the Department of Elementary Education, the Enabling Unit organized an invited talk on 17 th January 2025 featuring Prof. Ankur Madan, Director, School of Education, Azim Premji University. This interactive and enriching session explored the concept of inclusive education and the vital role of various stakeholders, particularly classroom teachers, in creating inclusive school cultures. The event was attended by students and faculty members alike and provided valuable insights into building inclusive learning spaces.

6. Interactive Workshop on Disability Awareness – 'Let's Talk About Disability':

On 24 th February 2025, SOPAAN, under the Equal Opportunity Cell and Enabling Unit, hosted the "Let's Talk About Disability" event at the Institute of Home Economics, Delhi University. Conducted by Faisal Ashraf Nomani, this interactive workshop focused on raising awareness about disability inclusion and assistive technologies. Through activities using play cards depicting symbols such as the Paralympics logo and engaging students with a soda beverage stall, the session taught respectful interaction, the importance of eye contact, and the need to avoid assumptions and stereotypes. Participants learned that true inclusion goes beyond physical accessibility and requires treating persons with disabilities with dignity and equality, providing help only when requested, and avoiding pity. The session succeeded in building empathy, awareness, and responsible behavior, making it atruly meaningful